जिनोम सीक्वेंसिंग से ओमिक्रॉन वायरस की पुष्टि

चर्चा में क्यों?

5 दिसंबर, 2021 को राजस्थान में दक्षिण अफ्रीका से आए परिवार की जिनोम सीक्वेंसिंग की रिपोर्ट में 9 व्यक्ति कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से ग्रसित पाए गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- चिकित्सा सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि विभाग ने दक्षिण अफ्रीका से आए परिवार को पूर्व में ही आरयूएचएस में भर्ती करवा दिया था। उनके संपर्क में आए 5 अन्य लोग भी संक्रमित पाए गए हैं, इन्हे भी आरयूएचएस में एडमिट किया जा रहा है।
- सचिव ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका से आए परिवार सहित उनके संपर्क में आए 34 लोगों के सैंपल लिये गए थे, जिनमें से 9 लोग कोरोना संक्रमण के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से पॉजिटिव पाए गए हैं, जबकि बाकी 25 लोग निगेटिव हैं।
- इस दक्षिण अफ्रीकी परिवार के संपर्क में सीकर ज़िले के अजीतगढ़ का एक परिवार भी आया था। विभाग ने सीकर में उन सभी 8 लोगों की भी ट्रेसिंग की। वे सभी निगेटिव पाए गए हैं।
- उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में खोजे गए कोविड-19 के **B.1.1.1.529** स्ट्रेन की 'वैरिएंट्स ऑफ कंसर्न' **(Variants of Concern- VOC)** के रूप में पहचान की है।
- इस वायरस का सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में पता चला था और इसके नाम को परिवर्तित करके ओमिक्रॉन **(Omicron)** कर दिया गया।
- ओमिक्रॉन को विश्व स्तर पर प्रमुख डेल्टा प्लस और इसके कमज़ोर प्रतिद्वंद्वियों अल्फा, बीटा एवं गामा के साथ-साथ कोविड-19 वैरिएंट की सबसे अधिक चिंताजनक श्रेणी में रखा गया है।
- हालाँकि इस बात का कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं है कि पिछले वायरस स्ट्रेन की तुलना में यह ओमिक्रॉन वैरिएंट कितना अधिक संक्रामक है।
- दक्षिण अफ्रीका के अलावा, इज़रायल में मलावी, बोत्सवाना, बेल्जियम और हॉन्गकॉन्ग से आने वाले लोगों में ओमिक्रॉन वैरिएंट की पहचान की गई है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ ने उन देशों (जहाँ पहली बार उनकी पहचान की गई) के स्थान पर ग्रीक वर्णमाला के अक्षरों के आधार पर वैरिएंट का नाम देने का फैसला किया है।
- डब्ल्यूएचओ ने **Mu** और **Omicron** के बीच दो अक्षरों **Nu** या **Xi** के बजाय ओमिक्रॉन नाम का चयन किया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/confirmation-of-omicron-virus-by-genome-sequencing